

प्र.सं.
104/2019
2019/00170

जबकि और वास्तव प्रयोग में वसति
तलों को दोहराते हुए मूल वाद के
विस्तारण तब उचित गणना किसी प्रकार
दरमूल दली न स्वयं करे न अन्य की
वशाये। रेकार्ड स्पष्ट मौके की मज्या
विपरीत रखी जाने का विवेक। डिप्टी

उक्त पक्ष मजिस्ट्रेट की वदम
दुनी गरी। मूल वाद के विस्तारण तब
दोनों पक्ष विवादित माराजीघात के
रेकार्ड स्पष्ट मौके की मज्याविपरीत कतने
रखने रखी जाने पर सदस्यी व्यक्त
की गरी।

मतः मजिस्ट्रेट विचार जाता है कि
उक्त बीसगा के रज.त 16 में हथि
माराजीघात 4213 रजका 0.23 है. 4214
रजका 0.21 है; 4215 रजका 0.42 है कुल विता
3 कुल रजका 0.86 है स्पष्ट विता 16
में दर्ज मक 4228 रजका 0.20 है, 4253 रजका
0.23 है 4254 रजका 0.22, 4255 रजका 0.24
4256 रजका 0.15 है. 4262 रजका 0.20 है. 4265
रजका 0.30 है कुल विता 7 रजका 1.47 है
शुद्ध की उक्त पक्ष रेकार्ड स्पष्ट मौके की
मज्याविपरीत मूल वाद के विस्तारण तब
वतारि रखे। पत्रापली कुल शुद्ध विपर
नम्बर से कम है।

[Signature]
3.2.2021

सहायक कलेक्टर (उपखण्ड अधिकारी)
राजपुर (मिलवाडा)